Roll No. _____ Code No. PA(H)-112

FOURTH SEMESTER EXAMINATION 2021-22

Class - B.A. (Honours)

Subject - fgUnh d ifrfuf/k

ukVd] ,dkdh ,o fucU/k

Time : 2.30 Hrs. Max. Marks : 80

Total No. of Printed Page : 05 Mini. Marks : 28

---

ukV % i'u i= rhu [k.Mk e foHkDr g A lHkh rhu [k.Mk d i'u fun'kku lkj gy dhft,A vadk dk foHkktu iR;sd [k.Mk e fn;k x;k gA

[k.M & ^v*

vfry?kmRrjh; i'u &

प्र.1 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं बीस प्रश्नों को हल कीजिये – 20x1=20

(i) 'अंधेर नगरा' नाटक की दो पात्रों के नाम लिखिए।

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(iii) 'अंधा युग' के दो पात्रों के नाम लिखिए।

(iv) 'दीपदान' एकांकी का केन्द्रीय पात्र कौन है ?

(v) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की नायिका कौन है ?

(vi) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी में बैठक कहां आयोजित होती है ?

(vii) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी के दो पात्रों के नाम लिखिए।

(viii) आपके पाठ्यक्रम में कौन–सा मनोवैज्ञानिक निबंध संकलित है ?

(ix) ''वैष्णव ने धर्म को धंधे से खूब जोड़ा है।'' यह वाक्य आपके पाठ्यक्रम की किस रचना का है ?

(x) ज्ञान, विज्ञान, धर्म और राजनीति की भाषा सदैव कौन–सी भाषा होनी चाहिए ?

(xi) हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने 'पृथ्वी का मानदंड' किसे कहा जाता है ?

(xii) 'गिरिकूट बिहारी' नाम किसे दिया गया है ?

(xiii) 'वापसी' एकांकी के मुख्य पात्र का नाम लिखिए।

(xiv) 'अंधा युग' किस पौराणिक भाषा पर आधारित है ?

(xv) 'वापसी' कहानी का घटनाक्रम भारत के किस प्रांत में घटता है ?

(xvi) हिंदी नाटकों का जनक किसे माना जाता है ?

(xvii) 'अंधेर नगरी' में राजा कौन है ?

(xviii) दुःख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान किसका है ?

(xix) चाणक्य और राक्षस के बीच किस प्रकार की चोंटें चलती है ?

(xx) 'क्या लिखूं' किस शैली का निबंध है ?

(xi) 'क्या लिखूं' निबंध में किन महापुरूषों का उल्लेख हुआ है ?

(xii) शेक्सपीयर को नाटक लिखने से अधिक कठिनाई किसमें होती है ?

(xiii) किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय कैसे होता है ?

(xiv) पन्ना धाय किसके प्राणों की रक्षा हेतु त्याग करती है ?

[k.M & ^c*

y?kqmRrjh; i'u & ¼'kCn lhek 100 'kCn½

प्र.2 (क) किन्हीं तीन प्रश्नों को हल कीजिये – 3x5=15

(i) उत्साह के कितने भेद है ?

(ii) मोहन राकेश का साहित्यिक परिचय दीजिये।

(iii) 'दीपदान' एकांकी का सारांश प्रस्तुत कीजिये।

(iv) 'अंधेर नगरी' की भाषा–शैली पर टिप्पणी लिखिए।

(v) 'कुटज' निबंध में वर्णित पांच पुष्पों के नाम लिखिए।

(ख) निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिये – 3x5=15

(i) ''सेत सेत सब एक से, जहां कपूर कपास
ऐसे देस कुदेस में, कबहुं न कीजै बास
कोकिल कागा एक सम, पंडित मूरख एक
इन्द्रायन दाड़िम विषय, जहां न नेकु विवेक
बसिए ऐसे देस नहिं कनक वृष्टि जो होय ।
रहिए तो दुःख पाइये, प्रान दीजिए रोय ।।''

अथवा

''जात ले जात, टके सेर जात । एक टका दो हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राम्हण से धोबी हो जाएं और धोबी को ब्राम्हण कर दें । टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें । टके के वास्ते झूठ को सच करें। .... वेद, धर्म, कुल–मर्यादा, सच्चाई। बड़ाई सब टके सेर।''

(ii) ''उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मो के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है, अकर्तव्य कर्मो की ओर होने पर वैस श्लाध्य नहीं प्रतीत होता । आत्मरक्षा, पर रक्षा, देश रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है उसके सौंदर्य को परपीड़न, डकैती आदि कर्मा का साहस कभी नहीं पहुंच सकता।''

अथवा

''यदि हम अपने मस्तिष्क को निष्क्रिय और कालान्तर में निर्जीव सा नहीं कर डालना चाहते तो हमें साहित्य का सतत सेवन करना चाहिए और उसमें नवीनता तथा पौष्टिकता लाने के लिए उसका उत्पादन भी करते जाना चाहिये। पर, याद रखिए विकृत भोजन से जैसे शरीर रूग्ण होकर बिगड़ जाता है, उसी तरह विकृत साहित्य से मष्तिष्क भी विकारग्रस्त होकर रोगी हो जाता है। अतएव यह बात निर्भान्त है कि मस्तिष्क के यथेष्ट विकास का एकमात्र साधन अच्छा साहित्य है।''

(iii) ''जी हां, मैं कॉलेज में पढ़ी हूं। मैंने बी.ए. पास किया है। कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की और न आपके पुत्र की तरह तांक–झांक कर कायरता दिखाई है। मुझे अपनी इज्जत–अपने मान का ख्याल तो है। लेकिन इनसे पूछिए कि ये किस तरह नौकरानी के पेरौं पड़कर अपना मुंह छिपा कर भागे थे।''

अथवा

''चली गई। कहती है ऐसा मैं नहीं सुन सकूंगी। जो मुझे करना है, वह सामली सुन भी न सकेगी। भवानी ! तुमने मेरे ह्रदय को कैसा कर दिया। मुझे बल दो कि मैं राजवंश की रक्षा में अपना रक्त दे सकूं अपने लाल को दे सकूं। यह राजपूतनी का व्रत है। यही राजपूतनी की मर्यादा है।''

[k.M & ^I*

nh?kmRrjh;@fuca/kkRed iz'u &

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2x15=30

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक में व्यक्त व्यंग्य और नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ii) एकांकी के तत्वों के आधार पर 'दीपदान' एकांकी की समीक्षा कीजिये।

(iii) 'कुट्ज' निबंध का सार संक्षेप प्रस्तुत कीजिये।

(iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की साहित्यिक विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

(v) हिंदी नाटक की विकासयात्रा अथवा हिंदी एकांकी की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

——00——